

मुख्यमंत्री जवाब के लिए घर में बुलाते हैं और उनकी पार्टी के नेता ईडी को धमकी भी दे रहे....प्रदीप वर्मा

पश्चिम बंगाल से भी ज्यादा भयावह स्थिति उत्पन्न कर सकती हेमंत सरकार

झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य के बयान पर भाजपा प्रदेश महामंत्री प्रदीप वर्मा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

वर्मा ने कहा कि एक तरफ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 8वीं नोटिस के बाद ईडी को पूछताछ के लिए अपने पास ही बुलाना चाहते हैं दुसरी ओर उनकी पार्टी के वरिष्ठ नेता महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ईडी को धमकी भी दे रहे।

कहा कि ऐसे में तो मुख्यमंत्री को कैबिनेट से यह भी निर्णय कर लेना चाहिए कि राज्य के किसी व्यक्ति को पूछताछ के लिए अधिकारी अपने ऑफिस में नहीं बुलाएं। अधिकारी पूछताछ के लिए घर जाएं। क्योंकि कानून के नजर में सब बराबर हैं। जब अपराध के लिए सजा सबके लिए बराबर है तो फिर कानूनी प्रक्रिया भी बराबर होनी चाहिए।

कहा कि झामुमो के बयान से साफ झलक रहा है कि मुख्यमंत्री के पास ईडी के सवाल का जवाब नहीं है।

कहा कि ईडी ने बार बार बताया है कि आखिर मुख्यमंत्री को वह क्यों बुला रही है लेकिन वावजूद इसके झामुमो जनता को दिग्भ्रमित करने में जुटा है।

कहा कि पूछे जाने वाले सवालों के संबंध में जिस प्रकार से झामुमो ने मखौल उड़ाया है यह झामुमो के दिवालियापन को दर्शाता है। झामुमो बौखलाहट में है।

कहा कि झामुमो को बताना चाहिए कि उनका सहयोगी दल कांग्रेस सत्ता में रहकर राजद सुप्रीमो पर किस राजनीतिक विद्वेष से कारवाई करवाती थी। लालू यादव पर सीबीआई की कारवाई राजनीतिक था या कानूनी प्रक्रिया।

कहा कि झामुमो और उनके सहयोगी दलों को जनता का आक्रोश स्पष्ट दिखलाई पड़ रहा परंतु सत्ता के चश्मे में उन्हें यह नहीं दिखाई पड़ रहा कि यह उन्हीं के खिलाफ है।

कहा कि छत्तीसगढ़ , राजस्थान, मध्य प्रदेश विधानसभा के परिणाम झामुमो को डराने लगे हैं। इसीलिए वे बार बार इसका उल्लेख कर रहे। लेकिन जनता उन्हें माफ नहीं करने वाली।

कहा कि कौन सी ऐसी पूछताछ होती है जिसमें पहले से प्रश्न बता दिए जाते हैं। कोई इंटरव्यू लेने के लिए ईडी थोड़े बुला रही। उसके पास जमीन की लूट के साक्ष्य होंगे। और पकड़े गए लोगों से कुछ कागजात मिले होंगे। तो फिर जो मुख्यमंत्री के स्तर की बात होगी वो तो उनके पार्टी के नेता नहीं न बता पाएंगे।

कहा कि झामुमो नेता के धमकी भरे बयानों से स्पष्ट हो रहा है कि ये ईडी के अधिकारियों के साथ पश्चिम बंगाल में हुए वारदात से भी ज्यादा भयावह स्थिति उत्पन्न करने की कोशिश की जा रही है